निज प्रतिनिधि, जबलपुर। जंगल तभी सुरक्षित रहता है, जब प्राकृतिक रूप से कार्बन का उत्सर्जन होता है। लेकिन वर्तमान समय में वन क्षेत्रों का एरिया लगातार सिमट रहा है। इसका प्रमुख कारण है जंगलों से कार्बन का घटना। इस तरह के कई कारणों की खोजबीन के लिए उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर द्वारा मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र वन विभागों के क्षमता विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सिविल लाइन स्थित होटल कल्चुरी में किया गया। कार्यशाला में टीएफआरआई निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव, वरिष्ठ अधिकारी अमिताभ अग्निहोत्री, के. रमन, बिभाष कुमार ठाकुर, एम. श्रीनिवास राव समेत अन्य शामिल हुए।

दैनिक भास्कर
Wed, 27 October 2021
https://epaper.bhaskarhindi.com/c/63991534

'वन क्षरण के कारणों की पहचान होगी'

मप्र व महाराष्ट्र वन विभागों के क्षमता विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा 26 और 27 अक्टूबर को राज्य आरइडीडी प्लस कार्य योजना विकसित करने के लिए मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र वन विभागों के क्षमता विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इन राज्य आरइडीडी प्लस कार्य योजनाओं का उद्देश्य वनों की कटाई और वन क्षरण और वन कार्बन वृद्धि के लिए बाधाओं की पहचान करना और उन्हें प्राथमिकता देना है। प्रशिक्षण के दौरान वनों की कटाई, वन क्षरण और कार्बन वृद्धि गतिविधियों के लिए कारणों की पहचान की जाएगी।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के 23 आइएफएस व अन्य वनाधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र वन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी दो दिवसीय सेमिनार में शामिल हुए। ● **सौजन्य टीएफआरआइ**

कार्यक्रम की शुरुआत दोनों राज्यों के महत्वपूर्ण व्यक्तियों और संस्थान के संभाग प्रमुखों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई।डा. जी राजेश्वर राव, निदेशक टीएफआरआई ने वरिष्ठ अधिकारियों अमिताभ अग्निहोत्री, एपीसीसीएफ और निदेशक एसएफआरआई के रमन, एपीसीसीएफ., ग्रीन इंडिया मिशन विभाष कुमार ठाकुर, एपीसीसीएफ, एचआरडी, भोपाल एम श्रीनवासा राव, महाराष्ट्र बांस विकास बोर्ड और प्रशिक्षण के अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं अपने-अपने राज्यों की सफल आरइडीडी प्लस कार्य योजनाओं को विकसित करने में भाग लेने के महत्व के बारे में जानकारी दी।

आयोजन उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

मप्र और महाराष्ट्र वन विभागों के क्षमता विकास पर जोर

जबलपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

राज्य आरईडीडी प्लस कार्य योजनाओं का उद्देश्य वनों की कटाई और वन क्षरण और वन कार्बन वृद्धि के लिए बाधाओं का समाधान करना और उन्हें प्राथमिकता देना है। उपरोक्त जानकारी वक्ताओं ने मंगलवार को उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआई द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण संस्थान के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान दी।

टीएफआरआई द्वारा राज्य आरईडीडी प्लस कार्य योजना विकसित करने के लिए मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र वन विभागों के क्षमता विकास पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के 23 आईएफएस एवं अन्य वनाधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में टीएफआरआई निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने प्रतिभागियों को अपने-अपने राज्यों की सफल आरईडीडी प्लस कार्य योजनाओं को विकसित करने में भाग लेने के महत्व के बारे में जानकारी दी।

गणमान्यजन रहे शामिल

आयोजन में वरिष्ठ अधिकारी अमिताभ अग्निहोत्री निदेशक एसएफआरआई, के. रमन ग्रीन इंडिया मिशन, विभाष कुमार ठाकुर एचआरडी भोपाल, एम. श्रीनवास राव महाराष्ट्र बांस विकास बोर्ड और प्रशिक्षु मंचासीन रहे। कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. अविनाश जैन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहलुओं के बारे में जानकारी दी। अनुराग भारद्वाज निदेशक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, आईसीएफआरई देहरादून ने अपनी आरईडीडी प्लस कार्य योजना तैयार करने में राज्य वन विभागों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया।

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2021-10-26 | Page- 4
ehitavada.com

authorities to take cognizance of the matter.

TFRI's workshop on 26 and 27th

THE Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur is organising a two-day workshop for 'Capacity Building of Madhya Pradesh' and Maharashtra Forest Departments for Developing State REDD+ Action Plans on October 26 and 27.The agenda of the training will be to identify the drivers of deforestation and forest degradation and barriers of carbon enhancement in forests of the respective states. It will result in development of intervention packages for addressing prioritised drivers of deforestation and forest degradation for carbon enhancement activities. This training will upscale the officers of two states.

Powered by iDocuments

वन विभाग की क्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण आज से

जबलपुर। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र वन विभागों की क्षमता विकास के लिए उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा 26-27 अक्टूबर को प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय प्रशिक्षण का एजेंडा वनों की कटाई एवं वन क्षरण के कारणों और संबंधित राज्यों के वनों में कार्बन वृद्धि की बाधाओं की पहचान करना होगा। इसके परिणामस्वरूप कार्बन वृद्धि गतिविधियों के लिए वनों की कटाई और वन क्षरण के मुख्य कारणों को संबोधित करने पैकेज का विकास किया जाएगा। यह प्रशिक्षण संयुक्त राष्ट्र ढांचे के एकीकृत दृष्टिकोण आरईडीडी + के तहत इन दोनों राज्यों के अधिकारियों को वनों से जुड़े जलवायु परिवर्तन शमन द्वारा लाभान्वित करने के लिए कार्य योजनाओं को विकसित करने में सहयोग करेगा। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश वन विभागों से वरिष्ट आइएफएस अधिकारी, वनाधिकारी और अन्य व्यक्ति शामिल होंगे। -नप्र